भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1963

दिनांक 11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

जैविक उत्पादों का निर्यात

1963. डॉ. सी. एम. रमेश :

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश द्वारा जैविक उत्पादन और निर्यात की स्थिति का राज्यवार और वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या देश में जैविक उत्पादों के निर्यात की अपार संभावनाएं हैं परंतु हमारा निर्यात केवल 5000-6000 करोड़ रुपए के आस-पास ही चल रहा है;

(ग) सरकार द्वारा देश में जैविक उत्पादों के उत्पादन को 20,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या विश्व में जैविक उत्पादों की मांग लगभग एक लाख करोड़ रुपए है और यह आगामी वर्षों में बढ़कर दस लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) : विगत दस वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत जैविक उत्पादन और निर्यात का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नवत है:

विगत 10 वर्षों के दौरान एनपीओपी के अंतर्गत जैविक उत्पादों का निर्यात			
क्र .सं.	वर्ष	निर्यात मात्रा (मीट्रिक टन)	निर्यात मूल्य (करोड़ रू.में)
1.	2014-15	2,85,663	2099.16

2.	2015-16	2,63,686	1975.00
3.	2016-17	3,09,767	2477.00
4.	2017-18	4,58,339	3453.00
5.	2018-19	6,14,086	5150.00
6.	2019-20	6,38,998	4685.00
7.	2020-21	8,88,180	7078.00
8.	2021-22	4,60,320	5249.00
9.	2022-23	3,12,800	5525.00
10.	2023-24	2,61,029	4007.91
11.	2024-25 (28.02.25 तक)	3,40,271	4966.36

विगत 10 वर्षों के दौरान एनपीओपी के तहत प्रमाणित जैविक उत्पादन						
क्र.सं.	वर्ष	जैविक उत्पादन(एमटी)	इन-कनवर्जन उत्पादन (एमटी)	कुल कृषि उत्पादन (मीट्रिक टन)	वन्य उत्पादन (एमटी)	कुल प्रमाणित उत्पादन (एमटी)
1.	2014-15	1045506.78	11539.54	1054046.32	14816.24	1071862.56
2.	2015-16	1315779.17	20173.13	1335952.29	17120.91	1353073.21
3.	2016-17	1164786.14	15319.66	1180105.81	21611.74	1201717.55
4.	2017-18	1664549.40	11011.20	1675560.70	27550.30	1703111.00
5.	2018-19	2599088.70	8296.10	2607385.80	37930.60	2645315.40
6.	2019-20	2672232.11	36887.41	2709117.52	36505.30	2745624.82
7.	2020-21	3240349.01	228642.97	3468991.98	27808.30	3496800.28
8.	2021-22	2950920.79	459274.24	3410195.03	20540.60	3430735.63
9.	2022-23	2664679.54	288246.75	2952926.29	19468.20	2972394.49
10.	2023-24	3228233.03	322248.24	3550481.27	23740.60	3574221.87
11.	2024-25 (31.01.25 तक)	3613772.02	280177.50	3893949.52	29226.97	3923176.49
स्रोत :ट्रेसनेट पर एनपीओपी के तहत मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकायों द्वारा प्रदान की गई जानकारी						

(ख) और (ग): वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-फरवरी) के दौरान, भारत के जैविक निर्यात में 38% की वृद्धि हुई है और इसका मूल्य 4966 करोड़ रुपये है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान यह 4007 करोड़ रुपये था।

भारत सरकार राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के तहत जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए केंद्रित पहल कर रही है, जो जैविक निर्यात के लिए राष्ट्रीय विनियमन है। भारत के उत्पादन आधार और जैविक उत्पादों की वैश्विक मांग के रुझान को देखते हुए, निकट भविष्य में भारत विश्व के प्रमुख जैविक उत्पाद निर्यातक देशों में से एक बनने की क्षमता रखता है।

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से वाणिज्य विभाग द्वारा की गई पहलों में जैविक उत्पादों के निर्यात में भारत की शक्ति को प्रदर्शित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू व्यापार मेलों में भागीदारी, बाजार विस्तार के प्रयास, जैविक उत्पादों के निर्यात को सरल बनाने के लिए प्रमुख आयातक देशों के साथ पारस्परिक मान्यता करार (एमआरए), एनपीओपी संबंधी पहुंच और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं।

जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए विनियामक फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए जनवरी 2025 को संशोधित एनपीओपी विनियमन 2024 की शुरूआत की गई, जिसका उद्देश्य प्रमाणन और ट्रेसेबिलिटी प्रक्रियाओं में आधुनिक तकनीकी प्रगति को शामिल करते हुए पारदर्शिता, विनियामक निगरानी को बढ़ाना है। एनपीओपी विनियमों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संशोधित किया गया है।

(घ) और **(ङ):** आईएफओएएम (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट्स), ऑर्गेनिक्स इंटरनेशनल और एफआईबीएल (जर्मन में जैविक कृषि अनुसंधान संस्थान का संक्षिप्त नाम) द्वारा जारी जैविक उत्पादन पर नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में वैश्विक जैविक बाजार 136.4 बिलियन यूरो की होने का अनुमान है, जिसे भारतीय रुपये में बदलने पर 11.34 लाख करोड़ रुपये होता है, जो 31.68% की पूर्ण वृद्धि और 5.66% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाता है।

***